expect to get the Detailed Project Report within the next six or eight months. Immediately after receiving the Report, as hon. Member Shri Chavan knows, we have to process it and we have to take the investment decision; ultimately it is for the Cabinet to take a decision. So far as we in the Ministry and the Government of India are concerned, we are very eager to see that this project is started as early as possible.

श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर: व्यापारियों की यह प्रवृत्ति बन गई है, आर्टिफिशियल शार्टेज क्रियेट करने के लिए बम्बई के पोर्ट ट्रस्ट पर माल रोका जाता है। मंत्री महोदय ने स्टेटमेंट में बताया है कि व्यापक प्रचार के बाद नीलामी की जाती है। मैं उन से पूछना चाहता हूं कि इस वर्ष में या जो भी आंकडे उन के पास उपलब्ध हों उमके अनुसार बताए कि कितनी नीलामी की गई ?

SHRI VEERENDRA PATIL: I think, I will require notice for this.

Pilferage of wheat from Wagons

\+

*436. SHRI SUBHASH CHANDRA YADAV:

SHRI KRISHNA PRATAP SINGH:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the large scale pilferage of wheat from wagons;

(b) the number of railway official found involved in this malpractice during the last three years;

(c) the total number of raliway employees arrested for their involvement in various kinds of malpractices; and

(d) the action taken against them?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No Sir, occasional cases are reported.

(b) Twenty.

(c) For their involvement in various malpractices, 147 railway officials were arrested on all Indian Railways during the year 1980.

(d) Out of these, 117 were dealt with under various provisions of law and remaining 30 were taken up departmentally.

श्री सुभाष चन्द्र यादव : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि "वैरियस प्राविजन्स आफ ला" क्या हैं और 30, जिन के मामले डिपार्टमेंटली टेक-अप किए गए, उस सन्दर्भ में मेरा यह कहना है कि यह एक बहुत बड़ा कारण है जो कि रेलवे विभाग के माध्यम से किया जा रहा है और जिस के कारण करोड़ों रुपये का नुकसान हर वर्ष हो रहा है। मैं मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि 14-2-81 को एक्सप्रेस में एक खबर छपी है कि 40 हजार क्विटल के गोलमाल की जिस की कीमत 40 लाख रुपए होती है। इस तरह से मार्कफेड के भ्रष्ट अधिकारी के माध्यम से बहुत बड़ा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मंत्री जी और विभाग को इस बात को बहुत गम्भीरता के साथ लेना चाहिए। मंत्री जी ने जवाब देने का जो तरीका अपनाया है वह गोलमोल है, यह सदन उस से संतुष्ट नहीं है। मेरी प्रार्थना है कि वे यहां पर साफ बात कहने की कोशिश करें, कतई सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें।

श्री मल्लिकार्जुन : अध्यक्ष महोदय, हमारा कर्तव्य सदन में गोलमाल करने का नहीं है। जो प्रश्न माननीय सदस्य ने पूछा है उस को धीरज से समझें . . .

MR. SPEAKER: Thank you very much.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: Because the building is round, he cannot call it 'golmal'.

श्री मल्लिकार्जुन : इस में कोई शक नहीं है कि हमारी गुड्स ट्रेन्स में से कुछ व्हीट की पिलफ़ेज होती रही है । हम ने कुछ दिन पहले सब्जी मण्डी दिल्ली में दो फूजग्रेन्ट की स्पेशल ट्रेन्स पर स्पेशल रेड कराई थी, उस की सील इनटैक्ट होते हुए भी उस में से 542 बैग्ज थे और 800 क्विंटल व्हीट गायब था । इस का कारण क्या हो सकता है ? इस का कारण यह हो सकता है कि लोडिंग प्वाइंट पर शार्ट हो । एफ सी आई वाले इस की लोडिंग करते हैं । अब माननीय सदस्य समझ गए होंगे कि मैं कोई गोलमाल बात नही कर रहा हूं ।

अध्यक्ष महोदय : गोललमाल होता है, यह समझ गए हैं ।

श्री सुभाष चन्द्र यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के उत्तर से बिल्कुल संतुष्ट नहीं हूं और न ही इस सदन के सदस्य सन्तुष्ट हैं । मैं निवेदन करूंगा कि हमारे कैबिनेट मंत्री, श्री केदार पांडे जी इस का ठीक से जवाब दें और वे इस पर गम्भीरता से विचार करें । मैं 40 हजार क्विंटल की बात कर रहा हूं और वे 800 क्विंटल की बात कर रहे हैं । इस में मार्कफेड है, एफ सी आई और रेलवे तीनों के ही अधिकारी मिले हुए हैं इसलिए इस को गम्भीरता से लेना चाहिए । इस में हम को एक बहुत बड़े षडयंत्र की बू आती है । मैं मांग करता हूं कि इस को गम्भीरता से लिया जाए और पांडे जी यहां पर इस का ठीक से उत्तर दें ।

रेल मंत्री (श्री केदार पांडे) : यह बात सही है कि पिलफ़ेज होता है, इस बात को हम एडमिट करते हैं । हम बताते हैं कि 1980 में कितना व्हीट का पिलफ़ेज हुआ, 1979 में कितना हुआ और 1978 में कितना हुआ । यह तीनों फीगर्स मैं आप को बताता हूं । करीब 55,94,592 रुपए का गेहूं 1980 में पिलफ्रेज हुआ । इस के अलावा 1979 में 47 लाख 51 हजार 480 रु० का पिलफ्रेज हुआ था ... (व्यवधान) .... पहले गेहूं की बात है सब से इम्पोर्टेन्ट बात यही है और दूसरा सवाल इस में नहीं है । 1978 में 30 हजार 422 रु० का गेहूं का पिलफ्रेज हो गया । जब गेहूं पिलफ्रेज होता है, तो उस के कई कारण है ....(व्यवधान).... पहले मेरी बात सुनिए । आप ने जब पूछा है तो मैं जबाब देता हू, ताकि मै एन्लाइटन कर सकू । यह भी जरूरी है कि ऐसा कि माननीय सदस्य...(व्यवधान)... यह बात है । इस में कारण कई हैं । पहला तो यह है कि देखा गया है कि एफ० सी० आई० से जो लोडिंग हुआ और वैगन्स मे लाया गया, उन्होंने कहा है कि इतना बोरा है और वही पर सील लगा दिया, मोहर लगा दिया । देखा गया कि सील टूटी भी नही, लेकिन जब खोल गया तो मालूम हुआ कि 500 बोरा गायब हुआ ।

अध्यक्ष महोदय : कौन जादूगर था—सरकार या गोगियापाशा ।

श्री केदार पांडे : मैं कहना चाहता हूं कि लोडिंग में भी गड़बड़ है और दूसरी बात यह है कि पहले तो कुछ ऐसा था कि वैगन्स खुला रहता था । वैगन्स खुला रहने में ज्यादा पिलफ्रेज होता था, लेकिन जब से बन्द वैगन्स, बाक्स वैगन्स जब से शुरू हुआ है, उस में पिलफ्रेज कम पाया गया है । इस पर हम कार्यवाही कर रहे हैं, वहां भी देसी और एफ० सी० आई० के अधिकारियों से भी हम बात करना चाहते हैं लोडिंग के बारे में । नहीं तो हमें वैरीफाई करने दीजिए और सारा खर्चा हम को दीजिए—यही बात है ।

श्री सत्यनारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय अभी क्विंटल में बात हो रही थी, मैं टनों में आप को बता रहा हूं ....

MR. SPEAKER: There is one more name. Shri Krishna Pratap Singh. He is not here. Shri Satyanarayan Jatiya.

श्री सत्यनारायण जटिया : अध्यक्ष महोदय, अभी क्विंटलों में मामला चल रहा था, मैं आप को टनों में बताना चाहता हूं। पिछले साल, इसी सदन में मध्य प्रदेश की 40 हजार टन शक्कर वैगन से गायब होने का समाचार मिला था, लेकिन उस शक्कर का अभी तक पता नहीं चला। इसलिए मैं माननीय रेल मंत्री जी से पूछना चाहता हूंकि मध्य प्रदेश की 40 हजार टन शक्कर जो गायब हुई थी, महाराष्ट्र से चली थी, उसका क्या आप को अभी तक पता चला है ?

श्री केदार पांडे : यहां पर सिर्फ गेहूं की बात है ... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : क्या कर रहे हैं आप। आप दूसरा प्रश्न दीजिए।...(व्यवधान) .. एक गन्दम की चोरी है और एक मीठी चोरी है। आप मीठी चोरी की बात क्यों करते हैं ?

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I want you to give a separate notice for this. Shri Ghosh.

SHRI NIREN GHOSH: Sir, I would like to know whether Government is aware that Mughalsarai has earned the notoriety of being the biggest railway yard of pilferage and even in the box wagons, the pilferage takes place in collusion with the Railway Protection Force. Certain trains come and the pilferers come and break open the—wagons and then take out the things. In the railways the corruption is so much that private industrialists can get special trains on 'red alert'. I want to know whether you keep a special watch at Mughalsarai which is now the biggest pilferage centre—called *chor bazar*.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAY (SHRI JAFFER SHARIEF): The very fact that we have admitted that there is connivance shows, as the Minister has also said it, that there is pilferage. Sir, my hon. colleague, Shri Mallikarjun while replying mentioned about the raid and the truth that has come out. This also was an effort of RPF. There are both bad and good elements and we do not rule out that there is connivance but it is our endeavour to bring the culprits to book and take necessary action against them. All that I would request the hon. Members is that when we come down hard upon them please do not protect them. We want you to cooperate with us.

Type of Polio Vaccines available in Hospitals and Dispensaries

*437. SHRI AMAR ROY PRADHAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that polio vacancies are available in Indian hospitals and dispensaries; and

(b) if so, what type of polio vaccines are available?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) and (b). In India, oral polio vaccine is in use. It is available in certain hospitals and dispensaries where cold storage facilities exist.